भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3205
दिनांक 06 अगस्त, 2026

उत्तर प्रदेश में पीएमयूवाई के तहत एलपीजी की आपूर्ति

3205. **श्री रमाशंकर बिद्यार्थी राजभरः**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश भर में तथा उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (पीएमयूवाई) के तहत तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के कितने परिवारों को कनेक्शन प्रदान किए गए हैं और वर्तमान में नियमित रूप से एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग कर रहे लाभार्थियों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस बात का आकलन किया है कि गैस सिलेंडरों की बढ़ती कीमतों के कारण गरीब परिवार पारंपरिक ईंधनों की ओर वापस लौट रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं;

(ग) देवरिया और बलिया जिलों सहित पूर्वांचल क्षेत्र में एलपीजी वितरण केंद्रों की संख्या का ब्यौरा क्या है तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं को समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार उज्जवला योजना के लाभार्थियों को किफायती दरों पर एलपीजी की नियमित आपूर्ति प्रदान करने के लिए एक स्थाई तंत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ): देश में गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत की गई थी। दिनांक 01.07.2026 की स्थिति के अनुसार लगभग 10.58 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन थे। भारत अपनी एलपीजी आवश्यकतों का अधिकांश आयात करता है तथा देश में एलपीजी के मूल्य सऊदी सीपी पर आधारित हैं।

अप्रैल और मई 2026 में औसत सऊदी सीपी (एलपीजी मूल्य निर्धारण के लिए अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क) बढ़कर 780 अमेरिकी डॉलर/एमटी हो गया। जून 2026 में, सऊदी सीपी और बढ़कर 796 अमेरिकी डॉलर/एमटी (प्रीमियम को छोड़कर) हो गया, 14.2 किलोग्राम घरेलू एलपीजी सिलेंडर का बाजार निर्धारित मूल्य (एमडीपी) 1,695 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर हो गया।

जून 2026 से घरेलू एलपीजी का खुदरा बिक्री मूल्य 942 रुपए प्रति 14.2 किलो सिलेंडर पर बना हुआ है, जिसमें जून 2026 में 700 रुपए से भी अधिक प्रति 14.2 किलो सिलेंडर पर और जुलाई 2026 के

दौरान 500 रुपए प्रति सिलेंडर की अंतर्निहित राजसहायता (अल्प-वसूली) शामिल है। अगस्त 2026 माह के लिए भी प्रति सिलेंडर के आरएसपी में 188 रुपए की अंतर्निहित राजसहायता शामिल है। 10.5 करोड़ से अधिक पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए 300 रुपए प्रति सिलेंडर की निर्धारित राजसहायता के बाद प्रभावी मूल्य केवल 642 रुपए प्रति सिलेंडर (दिल्ली) है।

सरकार, देशभर के घरों में किफायती मूल्यों पर घरेलू एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है, जिसके लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 में ओएमसीज को 22,000 करोड़ रुपए का मुआवजा प्रदान किया और वित्त वर्ष 2025-26 और वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान 30,000 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। इस मुआवजे के भुगतान के बाद भी, 30 जून 2026 की स्थिति के अनुसार घरेलू एलपीजी पर पीएसयू ओएमसीज की संचित अल्प-वसूली 51,000 करोड़ रुपए से भी अधिक थी।

दूरस्थ और ग्रामीण बस्तियों में अंतिम छोर तक डिलिवरी के माध्यम से उपलब्धता में और सुधार लाने के लिए ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्र के डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स कमीशन करना, सामान्य सेवा केंद्र-ग्राम स्तरीय उद्यमी (सीएससी वीएलईज) की नियुक्ति करना, बुकिंग और ट्रैकिंग के लिए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक विकल्पों की उपलब्धता सहित कई अन्य उपाय करना शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली, जौनपुर, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र, मऊ, आजमगढ़, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, महाराजगंज, संतकबीरनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर और कौशाम्बी जिले आते हैं। पूर्वांचल क्षेत्र में बलिया और देवरिया सहित ग्रामीण क्षेत्रों में एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरों की जिलावार कुल संख्या और डिस्ट्रीब्यूटरों की संख्या अनुलग्नक-क में दी गई है।

*****

अनुलग्नक-क

'उत्तर प्रदेश में पीएमयूवाई के तहत एलपीजी की आपूर्ति' के संबंध में श्री रमाशंकर बिद्यार्थी राजभर द्वारा दिनांक 06.08.2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3205 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में जिले-वार वितरकों की संख्या

क्रम सं.	ज़िला	वितरकों की कुल संख्या	ग्रामीण इलाकों में कैटरिंग करने वाले डिस्ट्रीब्यूटर्स की संख्या
1	आजमगढ़	84	74
2	बलिया	56	51
3	बस्ती	42	35
4	भदोही	42	39
5	चंदौली	42	40
6	देवरिया	79	70
7	गाजीपुर	63	59
8	गोरखपुर	77	56
9	जौनपुर	77	68
10	कौशाम्बी	44	40
11	कुशीनगर	67	63
12	महाराजगंज	34	32
13	मऊ	22	17
14	मिर्जापुर	51	42
15	प्रतापगढ़	72	67
16	प्रयागराज	125	86
17	संतकबीरनगर	27	26
18	सिद्धार्थनगर	35	32
19	सोनभद्र	58	37
20	वाराणसी	86	43
21	फतेहपुर	50	38

स्रोत: पीएसयू ओएमसीज की ओर से आईओसीएल